



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, वीरवार, 30 अगस्त, 2001/8 साद्वपद, 1923

हिमाचल प्रदेश सरकार

हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग
कियोथल कोमिशियल कोम्पलैक्स, खलीनी, शिमला-171 002

अधिसूचना

शिमला-171002, 7 जून, 2001

संख्या एच० पी० ई० आर० सी०/सचिव/152/डी० म०/एन० के० वी०.—फाइल नं० एच० पी० ई० आर० सी०/152 विद्युत विनियामक आयोग अधिनियम, 1998 (1998 का अधिनियम 14) की धारा 58 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(i) इन विनियमों को हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग (परामर्शदाताओं की नियुक्ति) (प्रथम संशोधन) अधिनियम, 2001 कहा जाएगा।
(ii) यह संशोधन तुरन्त लागू माने जाएंगे।

2. विनियम 5 के अन्तर्गत संशोधन.—परामर्शदाताओं का वर्गीकरण:

- (i) विनियम 5(क) के अन्तर्गत प्रथम पंक्ति में 'तीन' के स्थान पर 'चार' पढ़ा जाए।
(ii) सारणी के अन्तिम कालम में 'स्नातकोत्तर उपाधि' पर चिन्हित* सारणी के शीर्षक में 'न्यूनतम अर्हताएं' के साथ पढ़ा जाए।

(iii) इस शीर्षक की सारणी के अन्त में यह अंकित किया जाएगा :—

श्रेणी	न्यूनतम अर्हताएं	न्यूनतम अनुभव
अनुचर परामर्शदाता	स्नातकोत्तर उपाधि	20 वर्ष

3. विनियम 6 के अन्तर्गत संशोधन.—शुल्क एवं अन्य प्रभार :

श्रेणी	प्रति श्रम दिवस शुल्क (रुपये में)	दैनिक भत्ते के लिए प्रतिदिन एकमुश्त राशि (रुपये में)
अनुचर परामर्शदाता	आयोग तथा परामर्शदाता के मध्य परस्पर रूप से निर्धारित समेकित शुल्क प्रति मास।	दैनिक भत्ता जो हिमाचल प्रदेश सरकार के 'क' श्रेणी अधिकारी के लिए अनुज्ञेय है।

4. विनियम 6(घ) के अन्तर्गत संशोधन.—(i) दूसरी पंक्ति में विदित सरकारी कर्मचारियों के स्थान पर निम्नलिखित पड़ा जाए :—

‘सरकारी/जन क्षेत्र उपक्रमों के अधिकारी’

5. विनियम 6(ङ) के अन्तर्गत संशोधन.—(i) अन्तिम लाइन के बाद निम्नलिखित निहित किया जाए :—

‘अनुचर परामर्शदाता के मामले में मासिक समेकित आकस्मिक शुल्क तथा अनुक्षय राशि दिए जाने वाले मासिक समेकित शुल्क के एक तिहाई तक सीमित होगी’।

6. विनियम 15 के अन्तर्गत संशोधन.—परामर्शदाता विशेष का चयन :

(i) उप-नियम (क) तथा (ख) में जहां कहीं ‘परामर्शदाता विशेष’ लिखित है, के बाद निम्नलिखित जोड़ा जाए :—

‘या अनुचर परामर्शदाता’

(ii) विनियम 15(ख) में अन्तिम पंक्ति के बाद निम्नलिखित जोड़ा जाए :—

‘अनुचर परामर्शदाताओं की संख्या किसी एक समय में कार्य के एक क्षेत्र या निर्दिष्टीकरण के लिए एक से अधिक नहीं होनी चाहिए’।

7. विनियमों के प्रकाशन का विवरण.—हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग (परामर्शदाताओं की नियुक्ति) विनियम, 2001, हिमाचल प्रदेश राजपत्र (असाधारण) 4507-राजपत्र/2001, दिनांक 31 मार्च, 2001 में छापे गए थे।

दिनेश मलहोत्रा,
सचिव।